अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में विशाल पौधारोपण का आयोजन

दिनांक 9 जुलाई 2021 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के प्रांगण में यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी, राष्ट्रीय सेवा योजना व प्राकृतिक व्याख्या केंद्र के तत्वाधान में एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत जी ने वृक्षारोपण को एक महान व भव्य कार्य बताया और कहा कि वृक्षारोपण से ज्यादा पुण्य कार्य वृक्षों की देखभाल करना व उनका भरण पोषण करना है । उन्होंने स्वयंसेवकों को वृक्षों के महत्व बताते हुए कहा कि कोरोना के समय में ऑक्सीजन की किल्लत व फेफड़ों में संक्रमण वनों की घटती संख्या व प्रकृति से छेड़छाड़ का ही एक दुष्प्रभाव है। अभियान के अंतर्गत प्राचार्य जी ने छात्रों को पौधे वितरित किए ताकि वे अपने-अपने गांव जाकर पौधारोपण कर हरियाली को बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि वृक्ष ऑक्सीजन देकर जीवन तो बचाते ही हैं बल्कि वैश्विक तापमान को भी कम करते हैं और वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना करना व्यर्थ है। वृक्षारोपण में यूथ रेडक्रॉस के समन्वयक डॉ० जयपाल सिंह, वाई०आर०सी० काउंसलर श्री सुभाष कैलोरिया व श्री लवकेश, राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रोग्राम ऑफिसर डॉ० ऋतु, वरिष्ठ प्रवक्तागण जैसे श्रीमती कमल टंडन, डॉ० के० एल० कौशिक, डॉ० पूनम आनंद डॉ० रामचंद्र, डॉ० रविंद्र जैन, डॉ० मनोज शुक्ला व श्री मनमोहन सिंगला आदि उपस्थित रहे।

9 जुलाई 2021 को अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ के कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ ने कॉलेज प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में "वर्तमान बाजार परिदृश्य में कैरियर के अवसर" पर तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला (ऑनलाइन) के दूसरे दिन एक वेबिनार का आयोजन किया है। दूसरे दिन श्री विवेक अग्रवाल रिसोर्स पर्सन थे। वह सभी प्रकार के रबर भागों के निर्माण में लगे इम्पेक्स हाईटेक रबर के सीईओ हैं। वह AOTS (जापान ओवरसीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के कार्यकारी सदस्य हैं जो अब HIDA है। वह फरीदाबाद लघु उद्योग संघ के सहयोगी सदस्य हैं। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ० शिल्पा गोयल ने स्वागत भाषण दिया। प्रधानाचार्य जी ने अपने भाषण में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया कि एक उद्यमी होना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। श्री विवेक अग्रवाल जी ने कुछ सफल उद्यमियों के उदाहरण देकर अपने व्याख्यान की शुरुआत की। उन्होंने छात्रों से कहा कि उद्यमिता दृढ़ संकल्प और जुनून के बारे में है। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि स्टार्ट-अप शुरू करने से पहले उस मेंटर की पहचान करनी चाहिए जो उसे समय-समय पर मार्गदर्शन कर सके और उसे सफलता का रास्ता दिखा सके। सत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लगभग 100 प्रतिभागी उपस्थित थे। तृप्ति मंगला, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ० मनोज शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सत्र अत्यधिक संवादात्मक था। अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा फीडबैक फॉर्म भरे गए।